06

रास्ता मालूम करें!
(Find the Way/Directions)

तीसरी कक्षा में आपने गाँव के बारे में जाना कि बच्चे बड़े सब मिलकर परिवार में रहते हैं। अनेक परिजनों के आवास स्थान को गाँव या ग्राम कहते हैं। निम्न चित्र देखिए। यह रम्या का गाँव है। इस गाँव में क्या-क्या है बताइए।

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा

- रम्या के गाँव और तुम्हारें गाँव में क्या अंतर हैं बताइए ।
- पर्वत गाँव के किस ओर हैं ?
- तालाब गाँव के किस ओर हैं?
- खेत गाँव के किस ओर है?
- गाँव में किस तरह जा सकते हैं ?

6.1. क्या दिशाओं को पहचान सकते हैं?

कस्तूरी अपने मित्र कमला के घर जाना चाहती थी। रम्या से पूछा कि कमला का घर कहाँ है। रम्या नें कहा कि डाकघर के दक्षिण दिशा में है। कस्तूरी ने कहा कि दक्षिण किसे कहते हैं मुझे नहीं मालूम। तब रम्या उदित होते हुए सूर्य की ओर मुख करके खड़ी हुई। दोनों हाथ दोनों ओर फैलाया। मुख के सामने पूरब, पीछे पश्चिम, दाहिने हाथ की ओर दक्षिण, बाएँ हाथ की ओर उत्तर कहकर चार दिशाओं के नाम बताएँ।

निम्न चित्र देखिए चार दिशाओं में पहचानकर नाम लिखिए।

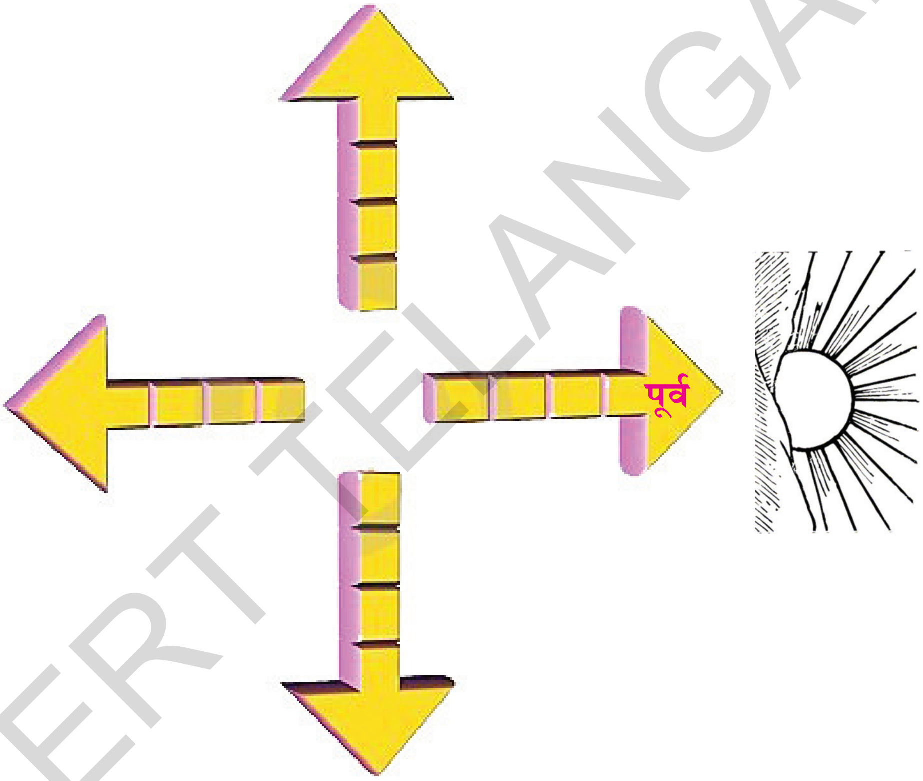

SCERT TELANGANA

ऐसा कीजिए

- आप अपनी कक्षा में उठकर खड़े हो जाइए । सूर्य उदय होने की ओर मुख करके दोनो हाथ फैलाएं। कक्षा में पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण दिशाएँ दर्शाएँ ।

निम्न चित्र देखिए। चित्र के बीच कस्तूरी उत्तर दिशा में मुख किए खड़ी है।

कस्तूरी के किस ओर क्या-क्या है? लिखिए।

- कुआँ ....दिशा में है।
- बस स्टेशन............दिशा में है।
- आम का पेड़ ....दिशा में है।
- पाठशाला.............दिशा में है।
- तुम भी तुम्हारें गाँव में घर के सामने कस्तूरी की तरह खड़े होकर किस ओर क्या है? लिखिए।

आपने उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम दिशाओं के बारे में जान लिया हैं ना। इन दिशाओं के आधार पर घर के, मोहल्ले के गाँव के किस ओर क्या है आप बता सकते हैं? उसी तरह खाली जगहों के किस दिशा में क्या है बता सकते हैं? **जब हम किसी क्षेत्र या भवन या गाँव के दिशाओं को पहचान पाते है तो उसे सीमा कहते हैं।** सीमाओं के आधार पर एक प्राँत का स्थान या भवन के अस्तित्व को पहचान सकते हैं। इस तरह जानने के लिए दिशाओं के साथ और क्या रहते हैं। क्या तुम्हें मालूम है?

SCERT TELANGANA

6.2. दिशाएँ-कोने

आपने दिशाओं के बारे में सीख लिया है न! निम्न आरेख देखिए।

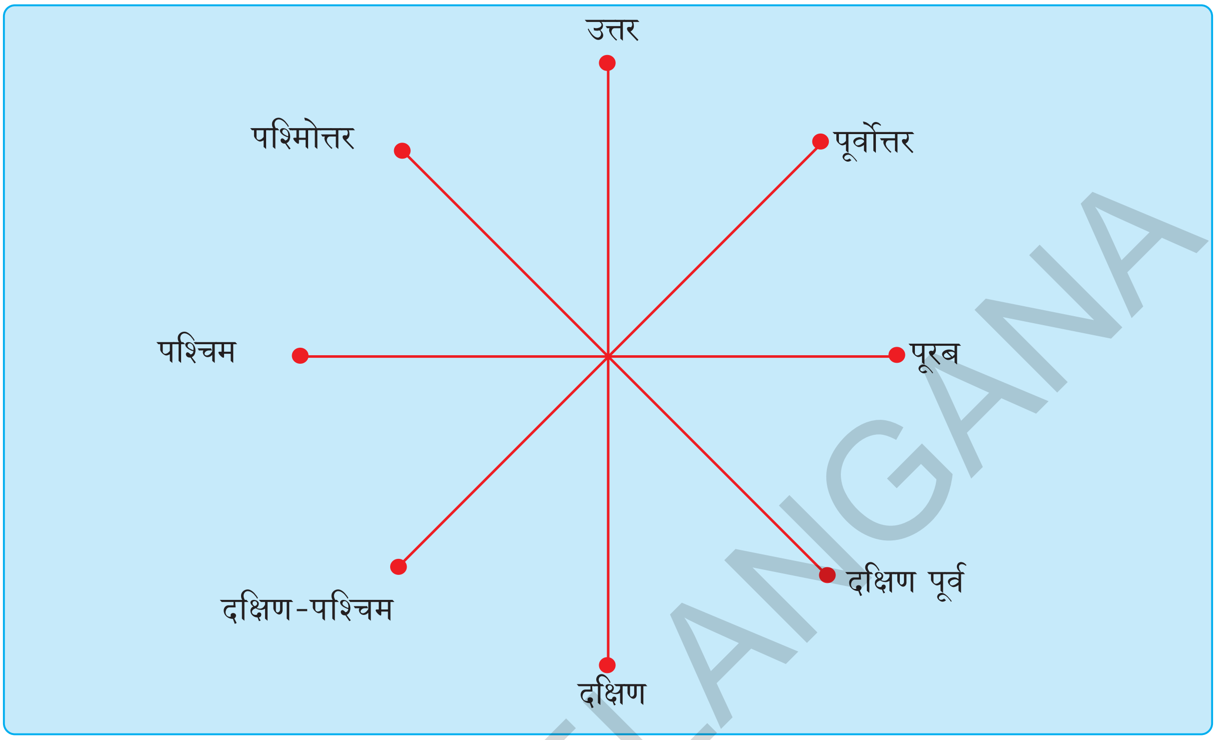

दिशाओं को ध्यान से देखिए।

समूह में चर्चा कीजिए।

- दिशाओं के साथ और क्या दिखाई दे रहे हैं?
- दो दिशाओं के बीच के स्थान को हम कोना कहते हैं?
- कोने कितने हो सकते हैं? निम्न तालिका पूर्ण कीजिए।

दिशाओं के बीच	कोना
पूर्व दक्षिण के बीच	
दक्षिण पश्चिम के बीच	
पश्चिम उत्तर के बीच	
उत्तर पूर्व के बीच	

- दिशाएँ, कोने बताने वाले चित्र पार्ट पर खींचकर अपनी कक्षा में लगाइए। अपने गाँव का चित्र खींचकर विभिन्न दिशाओं, कोनों में जो है लिखिए।

SCERT TELANGANA

6.3. मानचित्र कैसे बनाएँ

एक दिन अध्यापक ने कक्षा में कुछ मानचित्र बताए। वो देखकर कस्तूरी ने पूछा कि मानचित्र कैसे तैयार करते हैं ? बड़े-बड़े प्रांतों को छोटे कागज पर कैसे खींचते हैं। तब अध्यापक ने कहा कि वह समझने के लिए हम अपनी कक्षा का मानचित्र बनाएँगे। आप लोग मीटर वाली लकड़ी और माचिस की तीलियाँ लाइए।

6.3.1 कक्षा कक्ष का माप

अध्यापक ने बताया कि पहले कमरे की लंबाई, चौड़ाई माप लें। तब कस्तूरी और उसके मित्रों ने कक्षा के उत्तर की ओर दीवार का मापन मीटर वाली स्केल से लिया। वह छः मीटर हैं।

स्केल : 1 मीटर = माचिस की तीली

अध्यापक ने कहा कि उत्तर दिशा की दीवार छः मीटर लंबी होने के कारण मानचित्र में छोटा बताने के लिए एक मीटर के बदले में माचिस की तीली को लेंगे। तब कस्तूरी ने कक्षा के बीच में उत्तर दिशा की ओर छः माचिस की तीलियाँ रखी। उसी तरह पूरब की ओर की दीवार की लंबाई नौ मीटर है। पहले रखी गई तीलियों को मिलाते हुए पूरब दिशा में नौ माचिस की तीलियाँ रखा गयी।

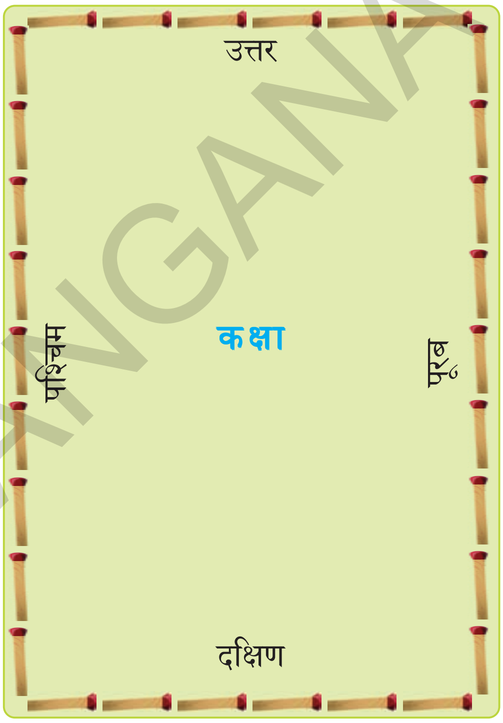

साधारण कागज पर मानचित्र खींचते समय उत्तर दिशा कागज के ऊपरी भाग पर रहना चाहिए।

दूसरे मापने पर दक्षिण दिशा की दीवार छः मीटर, पश्चिम दिशा की दीवार भी नौ मीटर है। बच्चे माप के आधार पर दक्षिण की ओर छः तीलियाँ , पश्चिम की ओर नौ तीलियाँ रखें। इस तरह चारों दिशाओं में रखी गयी तीलियों के साथ खड़िया से खींचकर तीलियों को हटा दिया गया। अब कक्षा के कमरे का मानचित्र तैयार हुआ।

इस तरह बड़े-बड़े प्रांतों को दिशाओं मापन से कागज पर जो खींचा जाता है, उसे मानचित्र कहते हैं। माचिस की तीलियों की सहायता से बच्चे अपने कक्षा का मानचित्र बनाये हैं ना। एक मीटर के बदले एक सेंटीमीटर समझकर तीलियाँ प्रयोग किये बिना सीधे लकीर खींचकर कक्षा कमरे का मानचित्र बना सकते हैं। अब अपने मित्रों से चर्चा करके अपनी कक्षा का मानचित्र चार्ट पर बनाकर प्रदर्शित करे।

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए।

- कक्षा के कमरे का मानचित्र खींचते समय कस्तूरी ने मीटर के समान माचिस की तीलियों का प्रयोग किये हैं ना। उसके कारण उनको क्या लाभ हुआ?
- अपनी कक्षा के कमरे का मानचित्र खींचकर दिशाओं को दशाएँ।
- कक्षा कक्ष के किन दिशाओं में क्या-क्या है? लिखिए।

6.4. गाँव

दिशाओं, कोनों के बारे में **आप ने जान** लिया हैं ना। उसी तरह हर गाँव के भी किस दिशा और कोनों में क्या-क्या है पहचान सकते हैं। इससे उस गाँव के अस्तित्व को पहचान सकते हैं। गाँव के निकट विभिन्न दिशाओं में जा रहते हैं उसे ग्राम सीमा कहते हैं। गाँव में सड़कें, भवन, पाठशाला, डाकघर, बस स्टेशन, खेत, ग्राम के निकटतम तालाब आदि गाँव की किस ओर हैं जानने के लिए दिशाएँ कोने उपयोगी होते हैं। उसी तरह गाँव के अंदर किसी प्रदेश को पहचानने या किसी के घर जाना हो तो दिशाएँ कोने जानने पर आसानी से पहुँच सकते हैं।

निम्न मानचित्र देखिए। गाँव में क्या-क्या है? कहाँ-कहाँ है? बताइए।

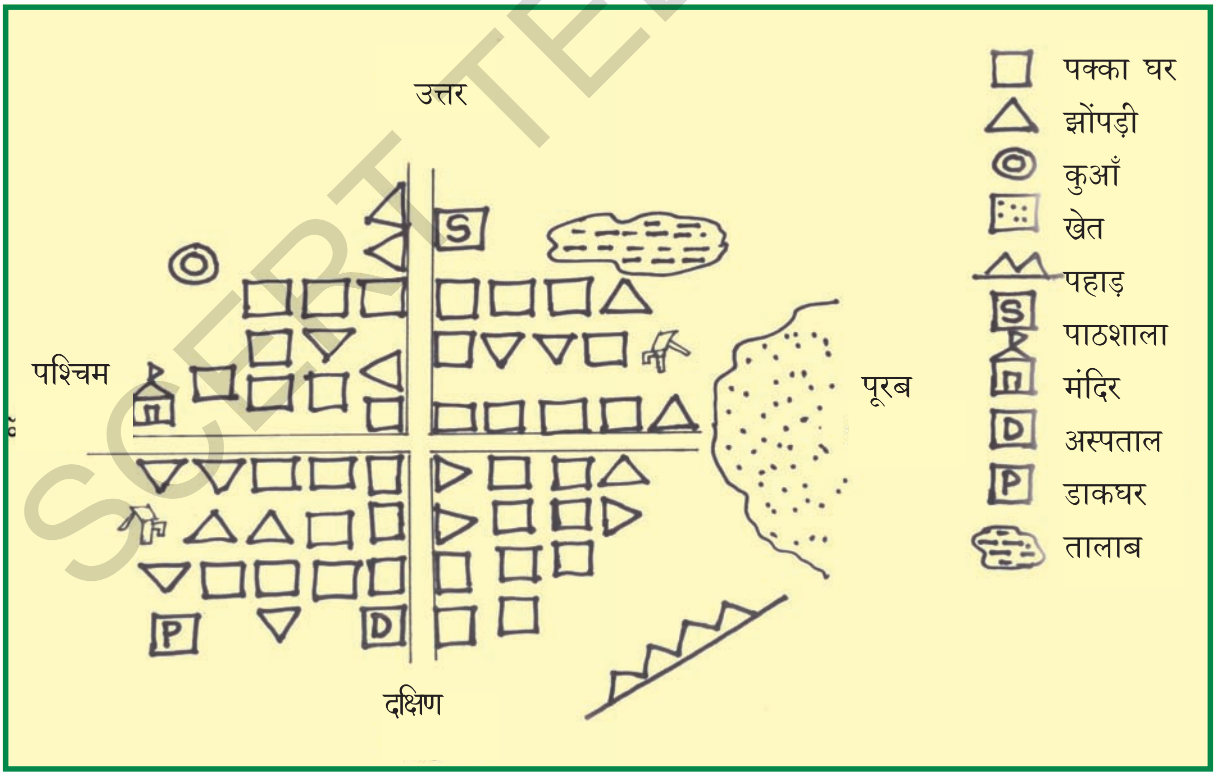

SCERT TELANGANA

गाँव का मानचित्र देखे हैं ना। इस मानचित्र के आधार पर समूह में चर्चा करके निम्न रिक्त स्थान भरिए।

समूह में चर्चा कीजिए।

- उत्तर में .... हैं।
- दक्षिण में .... हैं।
- पूरब में .... है।
- पश्चिम में .... है।
- उत्तर पूर्व में .... है
- दक्षिण पूर्व में .... है।
- पश्चिमोत्तर में .... है।
- दक्षिण पश्चिम में........... है।

ऐसा कीजिए

अपने अध्यापक की सहायता से निम्न बिंदुओं के आधार पर जमीन पर गाँव का मानचित्र खींचिए।

- आपके गाँव में क्या-क्या है? तालिका बनाइए।
- आपके गाँव के किस दिशा में क्या है? लिखिए।
- आपके गाँव की प्रधान सड़क जमीन पर चूने से दर्शाए।
- उसी तरह इस सड़क के आधार पर गाँव के किन दिशाओं में क्या है? चूने से दर्शाएँ।
- अपने गाँव के मानचित्र को इस तरह चूने से जमीन पर भी खींचिए।
- तुम्हारी तरह दूसरे समूह वाले भी खींचे हैं ना। वो सही है या नहीं देखकर बनाइए।

6.5. मंडल

कुछ ग्रामों के समूह को मंडल कहते हैं। एक मंडल में हजारों की जनसंख्या रहती है। मंडल में मंडल परिषत कार्यालय, मंडल राजस्व कार्यालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पुलिस थाना, कृषि विभाग कार्यालय बिजली विभाग कार्यालय जैसी सामाजिक संस्थाएँ रहती है। मंडल में सभी ग्रामों की जनता विभिन्न कामों के लिए मंडल केंद्र आते हैं, क्या आपको मालूम है? पता करके बताइए। कक्षा का मानचित्र, गाँव का मानचित्र बनाना सीख लिया हैं ना। इस तरह हर गाँव के मानचित्र की तरह अनेक गाँवों से मिलकर मंडल का भी एक मानचित्र होता है।

SCERT TELANGANA

एक मंडल का मानचित्र देखेंगे? मंचिर्याल जिले में 18 मंडल है। इसमें कुछ मंडल वाले मानचित्र देखेंगे। यह मानचित्र मंचिर्याल जिले के लक्सेट्टिपेट मंडल का है। इस मानचित्र में गाँवों का निरीक्षण कीजिए।

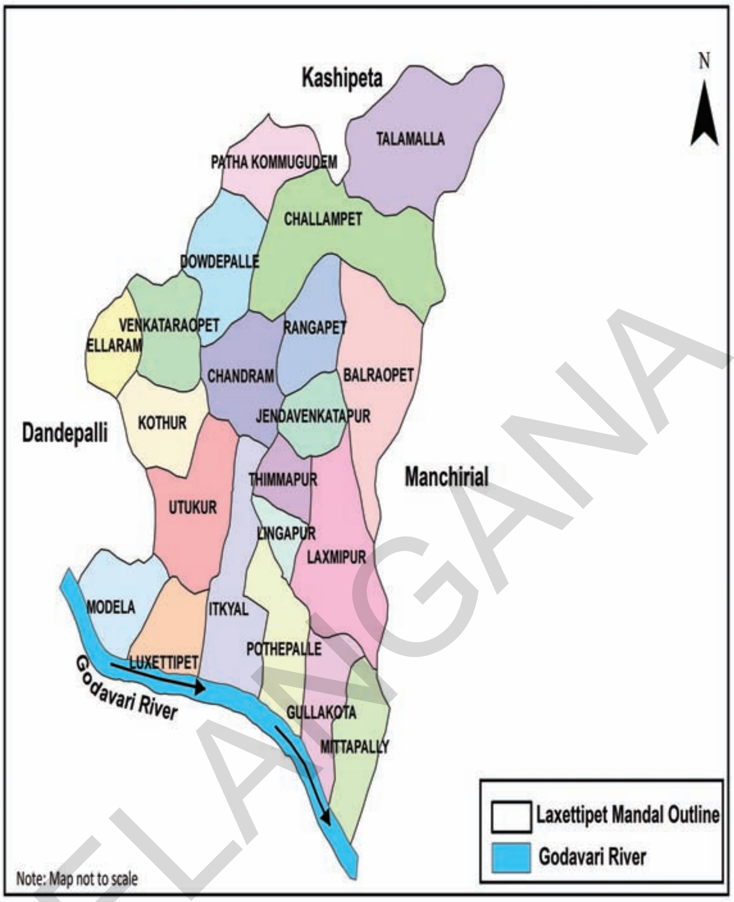

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा

- रंगापेट गाँव की चार दिशाओं में कौन से गाँव हैं?
- उट्कूरु मंडल के किस ओर लक्सेट्टिपेट मंडल हैं?
- तिम्मापूर गाँव के दक्षिण में कौन-सा गाँव है?
- गोदावरी नदी से आसन्न कौन से गाँव हैं? वे नदी की किस दिशा में है?
- गोदावरी नदी बहने की दिशा बताती है। इसके आधार पर नदी किस दिशा से किस दिशा की ओर बह रही है। बताइए ।
- जेंडा वेंकटापूर गाँव तिम्मापूर गाँव की किस दिशा में है।
- गोदावरी नदी लक्सेट्टिपेट मंडल के किस दिशा में है?

ऐसा कीजिए

- आपके मंडल के मानचित्र का संग्रह कीजिए । उसमें आपके गाँव को दर्शाएँ और सीमाएँ लिखिए।

6.6. जिला

मंडल में ग्रामों की तरह जिले में मंडल रहते हैं। जिला केंद्र में जिलाधीश कार्यालय, जिला परिषद कार्यालय, जिला अस्पताल जैसे अनेक सामाजिक संस्थाएँ रहती है। जिले में रिक्त सभी मंडलों के गाँवों की जनता विविध कार्यों के लिए जिला केंद्र आते है। अपने राज्य में 31 जिले हैं। हर जिले का एक मानचित्र रहता है। प्रत्येक जिले के मानचित्र में उस जिले के मुख्य स्थान, संस्थाएँ कार्यालय दर्शाते हैं। निम्न जिला मानचित्र देखिए।

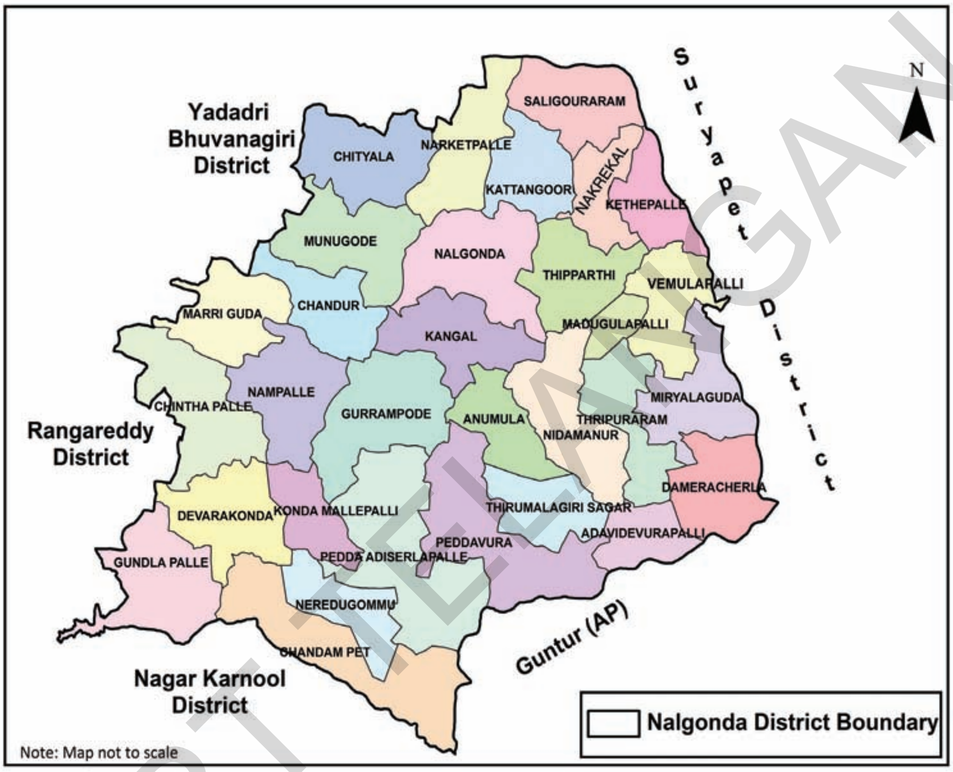

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा :

- नलगोंडा जिले के किस दिशा में क्या है? लिखिए।
- नलगोंडा जिले में तिरुमलगिरि सागर किस दिशा में है?
- नलगोंडा जिले के कुछ मंडलों के नाम लिखिए ।
- नलगोंडा जिले में चिट्याल मंडल की सीमाएँ लिखिए ।
- नागर कर्नूल जिला, नलगोंडा जिले की किस दिशा में है?

ऐसा कीजिए

- आपके जिले के मानचित्र में अपने मंडल को दर्शाएँ। उसकी सीमाएँ लिखिए ।

6.7. अपना राज्य

भारत का मानचित्र

अपने राज्य का नाम तेलंगाना है। कई गाँव मिलकर मंडल, कई मंडल मिलकर जिला, कई जिले मिलकर राज्य बनता है। अपने राज्य में 31 जिले हैं। अपने राज्य की राजधानी हैदराबाद है। तेलंगाना में लोग विभिन्न प्रकार के त्यौहार मनाते हैं। विभिन्न प्रकार के आचार-विचार और परंपराओं का पालन करते हैं। हमारे राज्य में गोदावरी, कृष्णा, तुंगभद्रा, जैसी नदियाँ बहती है। आदिलाबाद, निर्मल, आसिफ़ाबाद, मंचिर्याल, पेद्दापल्ली जयशंकर, महबूबाबाद, कोत्तगूडेम, नागर कर्नूल जिलों में जंगल फैले हुए हैं। अपने राज्य में धान, ज्वार, मक्का, ईख आदि की फसले उगाई जाती है। क्या अपने राज्य का मानचित्र देखेंगे।

क्या आप जानते हैं?
2 जून, 2014 के दिन तेलंगाना राज्य का भारत के 29 वें राज्य के रूप में गठन हुआ।

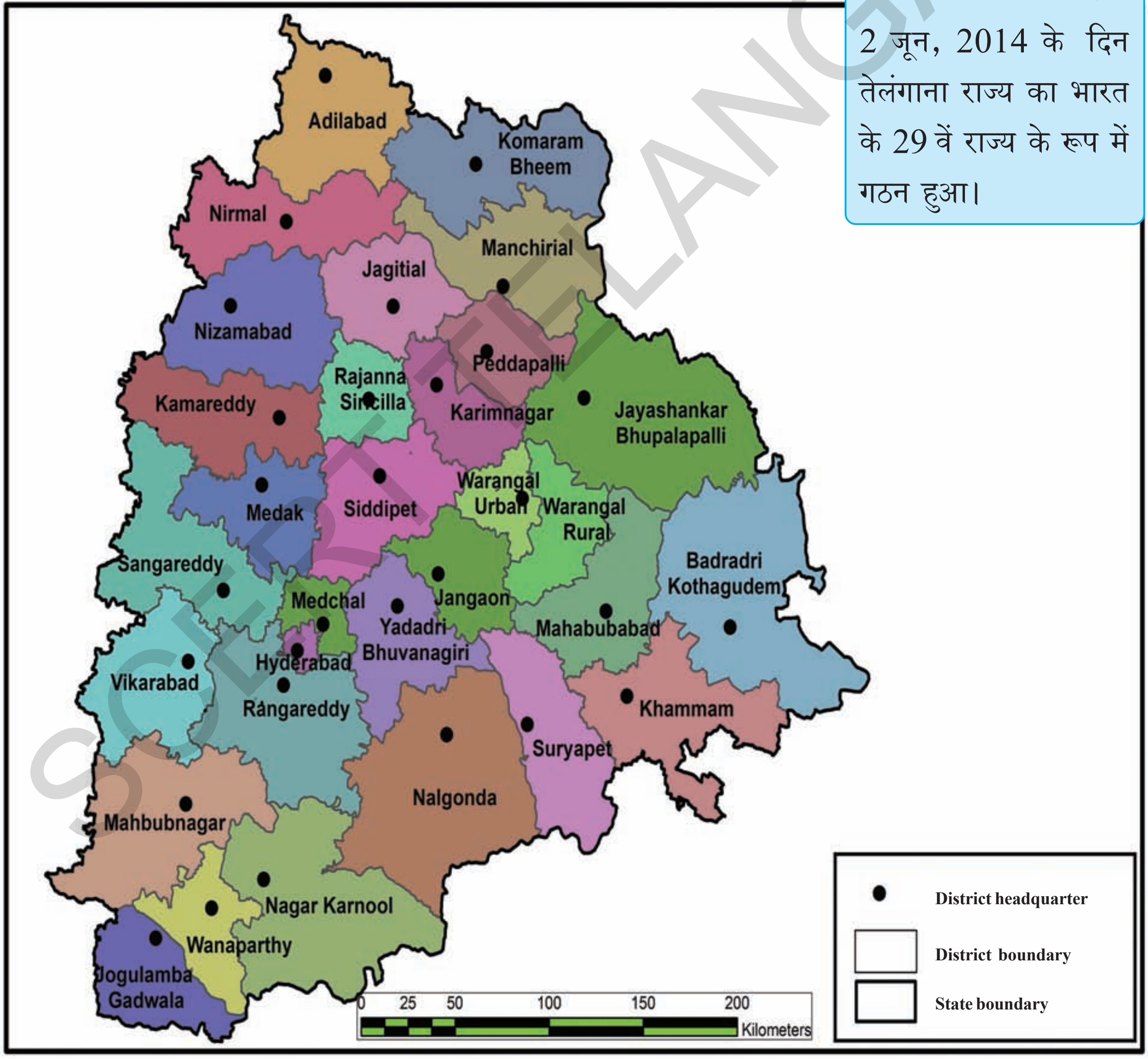

SCERT TELANGANA

अपने राज्य का मानचित्र देखें है ना। इसी तरह हर राज्य का मानचित्र रहता है। भारत के मानचित्र में अपने राज्य को दर्शाएं। अपने राज्य से लगे हुए दूसरे राज्यों को दर्शाएं। अपने राज्य के किन दिशाओं में क्या हैं दर्शाने से अपने राज्य की सीमाएं हम जान सकते हैं। अपने मित्रों से समूह में चर्चा करके लिखिए।

समूह में चर्चा

- अपने राज्य के चार दिशाओं में क्या-क्या है?
- राज्य के मानचित्र में आपका जिला कहाँ है दशाएँ ।
- आपके जिले की सीमाएं बताइए ।
- छत्तीसगढ़ राज्य से लगे हुए जिले कौन से हैं?
- हैदराबाद के चारों ओर कौन से जिले हैं?
- अटलस लीजिए । विभिन्न प्रकार के मानचित्रों से युक्त पुस्तक की अटलास कहते हैं । इसमें मार्ग, प्रमुख नदियाँ, पर्वत, खेत आदि के विवरण रहते हैं। अटलास में अपने राज्य का मानचित्र देखिए। गोदावरी नदी किन-किन जिलों से बहती है? बताइए।
- अट्लास देखकर अपने राज्य के मुख्य नगर क्या है? बताइए । उनने वाली फसलें दर्शाएँ ।

ऐसा कीजिए

- भारत के मानचित्र में अपने राज्य की सीमाएं दर्शाए ।
- अपने देश के किस दिशा में क्या है दर्शाए ।

इस पाठ में ग्राम मंडल, जिला राज्य के मानचित्रों के बारे में जान लिए है ना। इन मानचित्रों को विभिन्न संदर्भों में जरूरत पड़ने पर प्रयोग करना चाहिए। हम नए प्रांत को जाने पर मानचित्र में देखकर गम्य स्थान पहचान सकते हैं। साधारणतया विदेशी यात्री अपने देश को आते हैं तो किसी से पूछे बिना मानचित्र के आधार पर दर्शनीय प्रांत, मार्गों के विवरण जान लेते हैं। बड़े रेलवे स्टेशनो में पर्यटन स्थलों में उस प्रांत से संबंधित मनचित्र प्रदर्शित किये जाते हैं। इसमें देखकर वहाँ के मुख्य स्थान पहचान सकते हैं। मानचित्र के आधार पर किसी प्रांत के तापमान, गर्मी सर्दी जानकारी आप आगे की कक्षाओं में और विस्तार से जानेगें। आप अपनी कक्षा में तेलंगाना राज्य के मानचित्र, भारत के मानचित्र को जब भी मौका मिले देखिए। क्या-क्या उसमें है जानकारी प्राप्त करें।

SCERT TELANGANA

मुख्य शब्द

1. मानचित्र	4. जिला	7. सीमाएँ
2. ग्राम (गाँव)	5. राज्य	8. दिशाएँ
3. मंडल	6. देश (राष्ट्र)	9. कोने

हमने क्या सीखा ?

1. विषय क्या सीखा

अ) आपके घर की चार दिशाओं में क्या-क्या है?

आ) आपके पाठशाला की चारों तरफ क्या है?

- पूर्व ______________
- पश्चिम ______________
- उत्तर ______________
- दक्षिण ______________
- पश्चिमोत्तर______________
- दक्षिण पूर्व ______________
- उत्तर पूर्व ______________
- दक्षिण पश्चिम______________

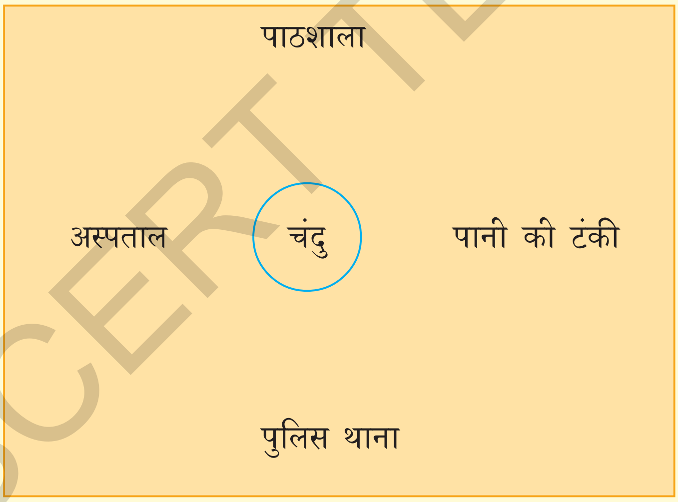

चंदु के किस ओर क्या -क्या है?

इ) सीमाएँ किसे कहते है? आपके गाँव की सीमाएँ बताइए ।

ई) मंडल और जिले में क्या भेद हैं?

ऊ) गाँवों और मंडलों के बीच क्या संबंध है?

SCERT TELANGANA

2. प्रश्न करना - अनुमान लगाना

- तेलंगाना का मानचित्र देखिए । आपको जो संदेह आ रहे हैं उसके बारे में प्रश्न लिखिए।

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र निरीक्षण

अ) आपके कक्षा का मानचित्र तीलियों की सहायता से खींचिए। कक्षा में प्रदर्शन कीजिए ।

आ) आप अपने पाठशाला से गाँव में किसी मुख्य स्थान तक पहुँचने को चिह्नों के द्रवारा दर्शाएं। उसको अपने मित्र को दीजिए । उस मुख्य स्थान को पहचान सका या नहीं पूछिए । उसी तरह तुम्हारें मित्र द्वारा दर्शाए स्थान के बारे में आप बताइए ।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

- आपके पास के घरों को जाइए । आपके निरीक्षण निम्न तालिका में दर्ज कीजिए।

निरीक्षण	दर्ज करने योग्य अंश		
	घर 1	घर 2	घर 3
• घर का प्रवेश द्वार किस दिशा में है?			
• घर में कुआ/नलकूप/बोरिंग/पानी का संप आदि किस दिशा में है?			
• घर में रसोई किस कोने में है?			
• घर में खाली जगह किस दिशा में है?			
• घर की खिड़कियाँ, दरवाजे किन-किन दिशाओं में हैं।			
• सड़क घर के किस ओर है?			

- क्या सभी घरों में सुविधाएँ एक जैसी है?
- सामान्यत: पानी की सुविधा या रसोई घर सामान्यत: घर में किस दिशा/कोने में है?
- क्या आपने घरों में पानी के स्थान व रसोई घर की स्थिति व अन्य व्यवस्थाओं का दिशाओं/कोनों से किसी संबंध को पहचाना?

SCERT TELANGANA

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

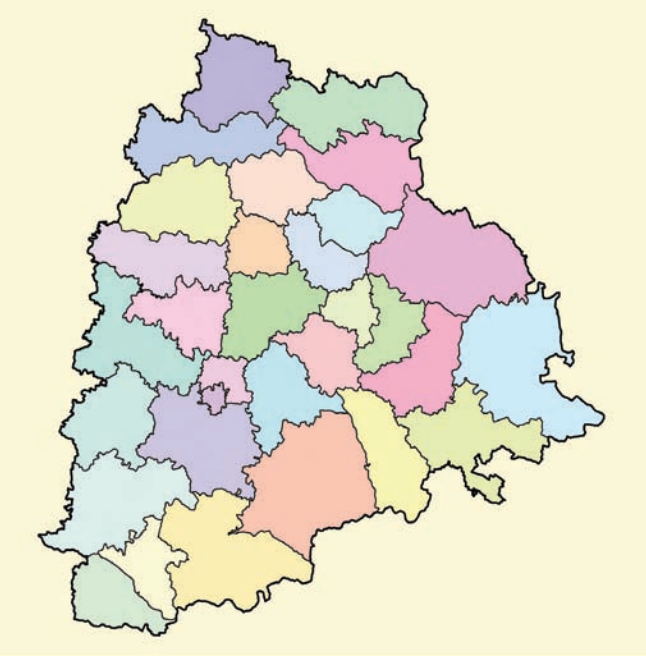

क. अपने मित्रों के साथ मिलकर गत्ते से एक नमूना तैयार कीजिए। इनमें दिशाएँ इंगित कीजिए।

ख. एक घर का मानचित्र बनाइए और इसमें कमरे दर्शाइए।

ग. अपने गाँव का मानचित्र बनाइए।

घ. अपनी मंडल का मानचित्र बनाकर उसमें अपना गाँव दर्शाइए।

च. दिए गये तेलंगाना के मानचित्र में अपने जिले का नाम लिखिए। उन जिलों के नाम भी लिखिए जो आपके जिले से संलग्न हों।

छ. इस मानचित्र की सहायता से समुद्र तटीय जिलों के नाम बताइए।

ज. तेलंगाना का मानचित्र बनाइए और इसे अपने नोटबुक में चिपकाइए। अपने राज्य की सीमाएँ बनाइए और जिलों के नाम लिखिए।

झ. अपने जिले का मानचित्र उतारिए और उसमें अपना मंडल पहचानिए।

6. प्रशंसा, मूल्य और जैव विविधता संबंधी जागरूकता

अ. हम मानचित्र का उपयोग किन परिस्थितियों में करते हैं?

आ. मानचित्र के द्वारा हमें किस प्रकार की जानकारी मिलती हैं?

अ. मानचित्र की क्या आवश्यकता है और क्यों?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	मैं दिशाओं के बारे में बता सकता हूँ। किसी वस्तु, अपने गाँव, पाठशाला, घर की किस दिशा में है बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	मैं राज्य के मानचित्र संबंधी नये प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	मैं पाठशाला का नमूना गत्ते से तैयार कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	मैं मानचित्र का प्रयोग आवश्यकतानुसार कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA